आकाशवाणी श्री विजयपुरम

दिनांक : 08.09.2025 समय : 1905

<><><><><><><>

- राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा आत्मनिर्भर भारत अब मजबूत नींव पर खड़ा है। देशवासियों से किया भारत को ज्ञान और व्यापार का केन्द्र बनाने का आहवान।
- नए राजनीतिक समीकरणों के बीच कल संसद भवन में उपराष्ट्रपति पद के चुनाव के लिए होगा मतदान।
- मत्स्य पालन विभाग ने मछली पकड़ने से जुड़े दो महत्वपूर्ण प्रारूपों पर जनता से मांगे सुझाव।
- मुख्य सचिव ने छात्रों के लिए डिज़ाइन की गई पर्यावरण शिक्षा पुस्तक ट्रेज़र्ड आइलैंड के संशोधित संस्करण का विमोचन किया गया।

<><><><><><><>

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने आज नई दिल्ली में इंजीनियरिंग निर्यात संवर्धन परिषद के प्लेटिनम जुबली समारोह को संबोधित करते हुए भारत को ज्ञान और व्यापार का वैश्विक केंद्र बनाने का आह्वान किया। उन्होंने आत्मनिर्भरता और निर्यात को बढ़ावा देने पर ज़ोर देते हुए कहा कि कोविड काल में शुरू हुआ आत्मनिर्भर भारत अभियान अब मजबूत नींव पर खड़ा है। राष्ट्रपति ने कहा कि बदलती वैश्विक अर्थव्यवस्था में इंजीनियरिंग निर्यात संवर्धन परिषद की भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण हो गई है और इसे भारतीय उत्पाद कों और अंतरराष्ट्रीय बाजार के बीच सेतु का कार्य करना चाहिए।

<><><><><><><>

उपराष्ट्रपति पद के लिए कल चुनाव होंगे। इस चुनाव में एन.डी.ए उम्मीदवार और महाराष्ट्र के राज्यपाल सी. पी. राधाकृष्णन का मुकाबला इंडिया ब्लॉक के उम्मीदवार और सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश बी. सुदर्शन रेड्डी से होगा। उपराष्ट्रपति का चुनाव संसद के दोनों सदनों के सदस्यों वाले एक निर्वाचक मंडल द्वारा किया जाता है। वर्तमान में, लोकसभा में पांच सौ बयालीस और राज्यसभा में दो सौ उनचालीस सदस्य हैं। इस बार उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए मतदाताओं की संख्या सात सौ इक्यासी है और बहुमत का आंकड़ा तीन सौ इक्यानबे है। इस वर्ष जुलाई में स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए जगदीप धनखड़ के इस्तीफे के कारण यह चुनाव आवश्यक हो गया है।

<><><><><><><>

क्रिसिल इंटेलिजेंस की सोमवार को जारी रिपोर्ट के अनुसार, अगस्त दो हजार पच्चीस में भारत में कमोडिटी की कीमतों में नरमी के चलते घर में पकाई जाने वाली शाकाहारी थाली की कीमत में सात प्रतिशत की कमी दर्ज की गई। शाकाहारी थाली की लागत में गिरावट का मुख्य कारण प्याज में सैंतीस प्रतिशत और आलू में इक्तीस प्रतिशत की भारी गिरावट है। यह गिरावट इस साल के अधिक उत्पादन और पिछले साल के उच्च दाम के कारण आई। दालों की कीमतों में चौदह प्रतिशत की कमी देखी गई, जिसका कारण अधिक स्टॉक और उत्पादन रहा। हालांकि, टमाटर और वनस्पति तेल की कीमतों में वृद्धि ने थाली की लागत में गिरावट को कुछ हद तक सीमित किया। रिपोर्ट के अनुसार, सरकार द्वारा पीली मटर और काले चने के मुफ्त आयात की अनुमति और उच्च आधार के चलते, आने वाले समय में थाली की कीमतें कम रहने की उम्मीद है। यह रिपोर्ट उत्तर, दक्षिण, पूर्व और पश्चिम भारत की औसत घरेलू थाली लागत पर आधारित है, जो आम लोगों पर महंगाई के असर को दर्शाती है।

<><><><><><><>

जी.एस.टी परिषद ने कपड़ा उद्योग के लिए दरों में महत्वपूर्ण बदलावों को मंजूरी दी। कृत्रिम रेशों पर जी एस टी दर को अटठारह प्रतिशत से घटाकर पांच प्रतिशत किया गया है, वहीं कृत्रिम सूत पर यह बारह प्रतिशत से घटकर पांच प्रतिशत हो गई है। इससे लागत में कमी आएगी, मांग बढ़ेगी, और निर्यात को बढ़ावा मिलेगा। हस्तशिल्प वस्त्रों और हाथ से बुने गलीचों पर भी अब पांच प्रतिशत जी.एस.टी लागू होगा। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने बताया कि इन बदलावों से निर्यात और घरेलू खपत को बढ़ावा मिलेगा। यह सुधार छोटे शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों में बाजार को भी सशक्त करेगा। जी.एस.टी में किए गए इस बदलाव का सीधा लाभ आम नागरिकों को मिलेगा और दिवाली के समय बाजार में तेजी आ सकती है।

<><><><><><><>

मत्स्य पालन विभाग ने मछली पकड़ने से जुड़े दो महत्वपूर्ण प्रारूपों पर जनता और विशेषज्ञों से सुझाव मांगे हैं। इन प्रारूपों मे भारतीय जहाजों द्वारा समुद्र में मछली पकड़ने के लिए दिशा–निर्देश, और भारत के अनन्य आर्थिक क्षेत्र ई.ई.ज़ी में मछली पकड़ने के नियम शामिल हैं। सुझाव भेजने की अंतिम तारीख बढ़ाकर पन्द्रह सितंबर कर दी गई है, जिससे ज्यादा लोग सुझाव दे सकें। सुझाव MS&Word फाइल में लिखकर jsfy@nic.in पर ईमेल करें।

<><><><><><><>

डॉ. बी. आर. अम्बेडकर प्रौद्योगिकी संस्थान ने शैक्षणिक सत्र दो हजार पच्चीस–छब्बीस के लिए कंप्यूटर इंजीनियरिंग विभाग में अतिथि व्याख्याता की भर्ती के लिए वॉक–इन इंटरव्यू का आयोजन किया है। यह इंटरव्यू बारह सितंबर को संस्थान के श्री विजयपुरम परिसर में आयोजित किया जाएगा। उम्मीदवारों को थ्योरी और प्रैक्टिकल डेमो देना होगा। भर्ती से जुड़ी योग्यता, डेमो विषय और अन्य विवरण वेबसाइट dbrait.andaman.gov.in पर उपलब्ध हैं। अगर किसी उम्मीदवार को कोई जानकारी लेनी है, तो वह संस्थान के शैक्षणिक सेल से कार्य दिवसों में सुबह दस बजे से दोपहर तीन बजे तक संपर्क कर सकता है।

<><><><><><><>

शिक्षा निदेशालय के सहयोग से अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के छात्रों के लिए डिज़ाइन की गई पर्यावरण शिक्षा पुस्तक "ट्रेज़र्ड आइलैंड्स" के संशोधित संस्करण का विमोचन किया। मेगापोड रिसॉर्ट में आयोजित इस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में मुख्य सचिव डॉ. चंद्र भूषण कुमार उपस्थित थे। कार्यक्रम में वरिष्ठ अधिकारियों, शिक्षकों, वैज्ञानिकों, छात्रों और नागरिक समाज संगठनों ने भाग लिया। मुख्य सचिव ने द्वीपों की संस्कृति, इतिहास और पारिस्थितिकी की समझ बच्चों में विकसित करने पर ज़ोर दिया। "ट्रेज़र्ड आइलैंड्स" जल्द ही द्वीपों के मध्य विद्यालयों में पर्यावरण शिक्षा की हैंडबुक के रूप में उपयोग की जाएगी। इसके प्रभावी उपयोग के लिए शिक्षक प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए जाएंगे और अतिरिक्त प्रतियाँ भी मुद्रित की जाएंगी। कार्यक्रम का समापन छात्रों के लिए आयोजित एक शैक्षणिक बिंगो खेल के साथ हुआ, जिसमें उन्होंने द्वीप की जैव विविधता के बारे में जानकारी प्राप्त की।

<><><><><><><>

दक्षिण अंडमान शैक्षिक क्षेत्र द्वारा आयोजित अंतर–विद्यालयी बैडमिंटन नॉकआउट टूर्नामेंट की शुरुआत नेताजी स्टेडियम, श्री विजयपुरम के बहुउद्देशीय हॉल में हुई। आज अंडर–सेवेन्टीन लड़कों के मुकाबले खेले गए। मुख्य अतिथि विश्वनाथ सेन, सहायक निदेशक, (खेल एवं शारीरिक शिक्षा) ने छात्रों को खेल भावना से खेलने और राज्य स्तर के लिए तैयार रहने की सलाह दी। फाइनल मुकाबले बारह सितंबर को सुबह साढ़े आठ बजे से खेले जाएंगे।

<><><><><><><>

जलयान 'सिंधु' की जगह अब 'नालंदा' नौ सितम्बर को सुबह नौ बजे हैडो जेट्टी से ननकौड़ी होते हुए कैंपबेल बे के लिए रवाना होगा। वापसी यात्रा ग्यारह सितंबर को सुबह आठ बजे कैंपबेल बे से श्री विजयपुरम के लिए होगी। सिंधु के टिकट धारक नालंदा से यात्रा कर सकते हैं। जहाजरानी सेवा निदेशालय ने यात्रियों को हुई इस असुविधा के लिए खेद जताया है।

<><><><><><><>

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय ने जुलाई दो हजार पच्चीस सत्र में सर्टिफिकेट प्रोग्राम में नामांकित छात्रों के लिए ऑनलाइन इंडक्शन मीटिंग आयोजित की है। यह मीटिंग कल दोपहर तीन बजे से आयोजित होगी। छात्र इस कार्यक्रम में ज्ञानदर्शन चैनल, स्वयंप्रभा, यूट्यूब चैनल, और फेसबुक लाइव के माध्यम से भाग ले सकते हैं। इग्नू के क्षेत्रीय केंद्र, श्री विजयपुरम के क्षेत्रीय निदेशक द्वारा जारी पत्र में बताया गया है कि यह मीटिंग छात्रों को कोर्स की जानकारी, अध्ययन सामग्री, असाइनमेंट और परीक्षा से जुड़ी प्रक्रियाओं को समझाने के उद्देश्य से की जा रही है। सभी छात्रों को सलाह दी गई है कि वे समय पर ज्ञानदर्शन चैनल या अन्य डिजिटल माध्यम से इस मीटिंग में शामिल हों।

<><><><><><><>